उत्तर प्रदेश फुटवियर, चमड़ा एवं गैर-चमड़ा क्षेत्र विकास नीति 2025

चर्चा में क्यों?

राज्य में वैश्विक फुटवियर एवं चमड़ा क्षेत्र की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार ने '**उत्तर प्रदेश फुटवियर, चमड़ा एवं गैर-चमड़ा क्षेत्र विकास नीति 2025**' को मंज़ूरी दे दी है।

मुख्य बिंदु

नीति की मुख्य विशेषताएँ

- **निर्यात को बढ़ावा:**
  - इस नीति का उद्देश्य **अंतर्राष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करके चमड़ा और गैर-चमड़ा निर्यात में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी को बढ़ाना है,** जिसके लिये **चीन तथा जापान** जैसे देशों में समर्पित निवेश अभियान चलाए जाएंगे।
- **आधुनिकीकरण:**
  - उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा रोज़गार सृजन के लिये **प्रौद्योगिकी को उन्नत करने,** उत्पादन सुविधाओं को आधुनिक बनाने तथा **प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने** पर ज़ोर दिया जाएगा।
    - चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किये जाएंगे।
  - IPR (बौद्धिक संपदा अधिकार) विकास को समर्थन देने के लिये अनुदान प्रदान किये जाएंगे , जिसमें प्रति इकाई **1 करोड़ रुपए** तक का प्रावधान है।
- **कौशल विकास:**
  - प्रशिक्षण केंद्र युवाओं के **कौशल उन्नयन** पर ध्यान केंद्रित करेंगे तथा शैक्षिक संस्थानों के साथ साझेदारी में विशेष **पाठ्यक्रम** तैयार किये जाएंगे।
  - अगले पाँच वर्षों में इस क्षेत्र में लगभग 22 लाख **नौकरियाँ** सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें महिलाओं और दिव्यांग लोगों को रोज़गार देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- **समर्पित चमड़ा पार्क:**
  - सरकार बड़े भूखंडों का निर्माण करेगी और **प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं**, अपशिष्ट उपचार संयंत्रों तथा अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे के साथ समर्पित चमड़ा पार्क स्थापित करेगी।
  - बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये कानपुर, आगरा और उन्नाव में **मेगा-लेदर पार्क** की स्थापना की जाएगी।
  - बुंदेलखंड और पूर्वांचल जैसे वंचित क्षेत्रों में परिचालन स्थापित करने के लिये विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- **वित्तीय प्रोत्साहन:**
  - इस नीति में नए चमड़ा पार्क और क्लस्टर स्थापित करने के लिये **प्रोत्साहन** तथा **सब्सिडी प्रदान** करके नए एवं मौजूदा दोनों व्यवसायों को समर्थन देने के प्रावधान शामिल हैं।
    - 50 एकड़ से अधिक भूमि पर चमड़ा पार्क या क्लस्टर स्थापित करने के लिये **25% पूंजीगत सब्सिडी।**
    - परियोजना से संबंधित भूमि खरीद के लिये **स्टांप ड्यूटी पर 100% छूट।**
    - **पहले तीन वर्षों** के लिये नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के बाहर के बाज़ारों में उत्पादों के निर्यात के लिये **50% परिवहन लागत** की प्रतिपूर्ति।
- **सतत् विकास पर ध्यान:**
  - कार्बन क्रेडिट प्रमाणन, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणन और **ऊर्जा ऑडिट** अपनाने पर 50% प्रतिपूर्ति।
  - अंतर्राष्ट्रीय सतत् प्रमाणन प्राप्त करने पर 75% सब्सिडी।
  - **बायोडिग्रेडेबल टैनिंग एजेंट और वाटरलेस डाईंग तकनीक** अपनाने का समर्थन।

उद्योग अंतर्दृष्टि

- **बाजार स्थिति:** उत्तर प्रदेश भारत के प्रमुख चमड़ा और फुटवियर हब में से एक है, जो भारत के **कुल चमड़ा निर्यात का लगभग 46% योगदान** देता है।

- **मुख्य स्थान: आगरा 'भारत की फुटवियर राजधानी'** के रूप में प्रसद्धि है, जबकि कानपुर चमड़े के सामान और काठी के सामान में प्रमुख है।
- **अनुमानित बाज़ार आकार:** उत्तर प्रदेश के चमड़ा उद्योग का बाज़ार आकार लगभग 3.5 अरब डॉलर है, जिसमें फुटवियर खंड का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-footwear-leather-and-non-leather-sector-development-policy-2025